एम.ए. उत्तरार्द्ध संस्कृत परीक्षा 2009–10

वर्ग 'अ' **100 अंक**

द्वितीय प्रश्न पत्र :– साहित्य शास्त्र

पाठ्यक्रम –

काव्यप्रकाश (प्रथम से षष्ठ उल्लास तक एवं अष्टम उल्लास)

बक्रोक्तिजीवित (प्रथम उन्मेष मात्र)

अलंकारशास्त्र के साहित्य का सर्वेक्षण

समग्र पाठ्यक्रम तीन खंडों तथा पांच इकाइयों में विभाजित किया गया है। इसका विस्तृत विवरण निम्नलिखित है।

पाठ्यक्रम की इकाइयाँ –

प्रथम इकाई – काव्य प्रकाश– 1–2 उल्लास

द्वितीय इकाई – काव्य प्रकाश– 3–4 उल्लास

तृतीय इकाई – काव्य प्रकाश– 5–6, 8 उल्लास

चतुर्थ इकाई – वक्रोक्तिजीवित (कुन्तक) प्रथम उन्मेष मात्र

पंचम इकाई – अलंकारशास्त्र के साहित्य का सर्वेक्षण।

प्रथम खंड

(वस्तुनिष्ठात्मक भाग) **10 अंक**

इस खंड के अंतर्गत विकल्परहित वस्तुनिष्ठ कुल दस प्रश्न पूछे जायेंगे। ये पाठ्यक्रम पर आधारित होंगे तथा समस्त इकाइयों से समान रूप से सम्बद्ध होंगे।

द्वितीय खंड

(व्याख्यात्मक भाग) **50 अंक**

इस खंड के अंतर्गत कुल पांच प्रश्न (व्याख्याएं) शतप्रतिशत विकल्पों के साथ पूछे जायेंगे। इनमें से प्रत्येक का उत्तर (व्याख्या) लगभग 250 शब्दों में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित हैं। इनका पाठ्यक्रम के अनुसार विभाजन निम्न प्रकार से है।

(क) काव्य प्रकाश के प्रथम तथा द्वितीय उल्लासों में से किसी एक कारिका की सप्रसंग व्याख्या विकल्प सहित पूछी जाएगी। 10 अंक

(ख) काव्य प्रकाश के तृतीय तथा चतुर्थ उल्लासों में से किसी एक कारिका की सप्रसंग व्याख्या विकल्प सहित पूछी जाएगी। 10 अंक

(ग) काव्यप्रकाश के 5, 6 तथा 8 उल्लासों में से किसी एक कारिका की सप्रसंग व्याख्या विकल्प सहित पूछी जाएगी। 10 अंक

(घ) वक्रोक्तिजीवित के प्रथम उन्मेष से किसी एक कारिका की सप्रसंग व्याख्या विकल्प सहित पूछी जाएगी। 10 अंक

(ड.) काव्यशास्त्र के किसी एक ग्रन्थ अथवा आचार्य का सामान्य परिचय विकल्पसहित पूछा जाएगा। 10 अंक

तृतीय खंड
(निबंधात्मक भाग) 40 अंक

इस खंड के अंतर्गत कुल दो प्रश्न (विकल्पों के साथ) पूछे जाएंगे। इनमें से प्रत्येक का उत्तर लगभग 400 शब्दों में देना होगा। इनके लिए 20–20 अंक निर्धारित हैं।

उक्त खंड के प्रथम प्रश्न के अंतर्गत निम्न बिन्दु आधार स्वरूप होंगे–
20 अंक

काव्यप्रकाश में विवेचित विषयवस्तु–काव्यप्रयोजन, काव्य हेतु, काव्य लक्षण, लक्षणा, व्यंजना, ध्वनि का स्वरूप, ध्वनिभेद, गुणीभूतव्यंग्य, रस, गुण आदि। काव्यप्रकाश की सामान्य समालोचना, मम्मट का योगदान, काव्यप्रकाश का महत्व।

उक्त खंड के द्वितीय प्रश्न के अंतर्गत निम्न बिन्दु आधार स्वरूप होंगे–
20 अंक

वक्रोक्तिजीवित का महत्व, वक्रोक्तिजीवितकार का योगदान, परिचय, वक्रोक्तिजीवित की विषयवस्तु, काव्यशास्त्र के विभिन्न समुदाय के प्रमुख आचार्यों अथवा ग्रन्थों का मूल्यांकन।

सहायक पुस्तकें–

काव्यप्रकाश (बालबोधिनी टीका) – वामनाचार्य झलकीकर

ध्वन्यालोक (लोचन एवं बालप्रिया टीका सहित) सम्पा0 पं0 पट्टाभिराम शास्त्री

ध्वन्यालोक : हिन्दी व्याख्या – आचार्य विश्वेश्वर

आनन्दवर्धन – डा0 रेवाप्रसाद द्विवेदी

भारतीय साहित्यशास्त्र – जी0टी0 देशपाण्डे

भारतीय साहित्यशास्त्र भाग 1–2– पं0 बलदेव उपाध्याय